मेरी टीम जल्द ही अपना सर्वश्रेष्ठ फॉर्म हासिल करने में सक्षम है और आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप खिताब के लिए चुनौती पेश कर सकती है। - **चार्लोट एडवर्ड्स**

इंग्लैंड की नवनियुक्त कोच, अपनी टीम के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ **कीरोन पोलार्ड**

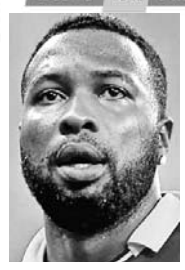

इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में खराब फार्म से जूझ रहे भारतीय ओपनर रोहित शर्मा का बचाव करते हुये मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड ने गुरुवार को कहा कि कुछ मैचों के आधार पर दिग्गज बल्लेबाज की फार्म का आकलन करना सही नहीं है। लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ शुक्रवार को खेले जाने वाले मैच की पूर्व संध्या पर एक प्रेस कांफ्रेंस में पोलार्ड ने कहा रोहित क्रिकेट के लीजेंड हैं। उनके नाम रिकार्ड बुक में कई रिकार्ड दर्ज हैं। कुछ मैचों के आधार पर उनकी बल्लेबाजी को आंकना सही नहीं होगा। उनका बल्ला कभी भी आग उगल सकता है।

क्या आप जानते हैं ?... अंतर्राष्ट्रीय हैंडबॉल महासंघ का गठन 1946 में हुआ था और 2016 तक 197 सदस्य महासंघ हैं। यह खेल यूरोप में सबसे लोकप्रिय है।

केकेआर ने एकतरफा मुकाबले में सनराइजर्स को 80 रन से हराया

कोलकाता, 3 अप्रैल। आजिक्य रहाणे (38),अंगकृष रघुवंशी (50), वेकटेश अय्यर (60) और रिंकू सिंह (32 नाबाद) की बेहतरीन पारियों के बाद वैभव अरोड़ा (29 रन पर तीन विकेट) और वरुण चक्रवर्ती (22 रन पर तीन विकेट) के कातिलाना प्रदर्शन की बदौलत कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें मुकाबले में गुरुवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 80 रन से एक तरफा जीत दर्ज की।

ईडन गार्डन मैदान पर कोलकाता ने पहले बल्लेबाजी करते हुये पांच विकेट पर 200 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया और बाद में हैदराबाद की पारी को 16.4 ओवर के खेल में 80 रन पर समेट दिया। कोलकाता ने आज खेल के हर विभाग में

हैदराबाद को बौना साबित कर दिया। हैदराबाद की ओर से विकेटकीपर बल्लेबाज हाइनरिक क्लासन (33) ने कुछ दर्शनीय शाट खेलकर दर्शकों का मनोरजंन किया मगर यह उनकी टीम को करारी हार से बचाने के लिये नाकाफी था। क्लासेन के अलावा कामिंडु मेंडिस (27), नीतिश कुमार रेड्डी (19) और कप्तान पैट कमिंस (14) ही अपने निजी स्कोर को दहाई तक पहुंचा सके।

इस हार के साथ हैदराबाद की प्लेआफ की दौड़ पर बने रहने की चुनौती और कड़ी हो गयी है। ईडन गार्डन मैदान पर क्विटन डी कॉक (1) और सुनील नारायण (7) के विकेट तीसरे ओवर के बीच में ही उखड़ चुके थे और स्कोरबोर्ड पर सिर्फ 16 रन टंगे थे।

फुटबॉल कोचिंग कोर्स सम्पन्न

जयपुर, 3 अप्रैल। अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ से मान्यता प्राप्त फुटबॉल कोचिंग कोर्स ''डी लाइसेंस'' सफलतापूर्वक जयपुर में संपन्न हुआ। राजस्थान फुटबॉल संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि

यह छह दिवसीय फुटबॉल कोचिंग कोर्स 28 मार्च से 2 अप्रैल के मध्य रॉयल फुटबॉल क्लब जयपुर में आयोजित किया गया। इस कोर्स को कराने हेतु अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ के मान्यता प्राप्त कोर्स इंस्ट्रक्टर सैयद अल्ताफउद्दीन अहमद आए। इस कोर्स में राजस्थान राज्य के विभिन्न स्थान से आए 24 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमें तीन महिला कोच शामिल है। दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम से राजस्थान फुटबॉल संघ को और नए फुटबॉल कोच मिलेंगे जो कि इस राज्य में और बेहतर खिलाड़ियों को ग्रासरूट लेवल से तैयार करने में योगदान देंगे।

महिला क्रिकेट विश्व कप क्वालीफायर के लिए अंपायर, मैच अधिकारी घोषित

दुबई, 3 अप्रैल। इस महीने होने वाले आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप क्वालीफायर के लिए अंपायर और मैच अधिकारियों की घोषणा कर दी गई है। छह टीमों का यह टूर्नामेंट नौ से 19 अप्रैल के बीच पाकिस्तान में होगा, जिसमें दो शीर्ष टीमें इस साल के आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप में अपनी जगह पक्की करेंगी। पैनल में 10 अंपायर और तीन मैच रेफरी शामिल होंगे, जबकि मेजबान देश पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व फैजल खान अफरीदी और सलीमा इम्तियाज अंपायरिंग पैनल में करेंगे। पिछले साल सलीमा आईसीसी अंपायरों के पैनल में शामिल होने वाली पाकिस्तान की पहली महिला बनीं थीं। उन्होंने उस समय कहा था कि वह एशियाई देश के अंपायरों की नई पीढ़ी को प्रेरित करेंगी।

आईसीसी मीडिया स्टेटमेंट के अनुसार, बांग्लादेश के पैनल में मसुदुर रहमान मुकुल और शतीरा जाकिर जेसी के रूप में दो अंपायर भी हैं, जबकि जिम्बाब्वे की सारा दंबनेवाना के साथ डोनोवन कोच, बैब्स गकुमा, कैंडेस ला बोर्डे, डेडुनु डी सिल्वा और शॉन हैग भी शामिल हैं। अली नकवी, शैंड्रे फ्रिट्ज़ और टुडी एंडरसन मैच रेफरी के रूप में मौजूद रहेंगे और आईसीसी के वरिष्ठ प्रबंधक अंपायर और रेफरी, सीन ईज़ी का मानना है कि यह टूर्नामेंट पूरे पैनल को अपनी साख दिखाने का एक शानदार अवसर प्रदान करेगा।

रेफरी: अली नकवी (पाकिस्तान), शैंड्रे फ्रिट्ज़ (दक्षिण अफ्रीका), टुडी एंडरसन (न्यूजीलैंड)। **अंपायर:** बैब्स गकुमा (दक्षिण अफ्रीका), कैंडेस ला बोर्डे (वेस्ट इंडीज), डेडुनु डी सिल्वा (श्रीलंका), डोनोवन कोच (ऑस्ट्रेलिया), फैसल खान अफरीदी (पाकिस्तान), मसुदुर रहमान मुकुल (बांग्लादेश), सलीमा इम्तियाज (पाकिस्तान), सारा दंबनेवाना (जिम्बाब्वे), शतीरा जाकिर जेसी (बांग्लादेश), शॉन हैग (न्यूजीलैंड)।

अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग

जहीरुल हसन क्लब ने डायमंड क्लब को हराया

जयपुर, 3 अप्रैल। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग क्रिकेट प्रतियोगिता में खेले गए पूल ए के मैच में जहीरुल हसन क्लब ने डायमंड क्लब क्लब को 28 रनों से हराया। जी आर ग्राउंड पर खेले गए मैच में जहीरुल हसन क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए तुषार चेलानी के 63 रन, सियाराम चौधरी के 81 रन, आलोक गुर्जर के 49 रन, सूर्यांश के 22 रन से 48.4 ओवर में 289 रन बनाए। डायमंड क्लब के लिए संजय महावार ने 42 पर 6, देवांश सिंह ने 60पर 3 विकेट लिए। जवाबी पारी में डायमंड क्लब की टीम रफीक जोया के 57 रन, देवांश सिंह के 31 रन, कुमार वासु के 33 रन, रुद्र सोनी के 24 रन, वेदांग शर्मा के नाबाद 31 रन व अनस मंसूरी के नाबाद 19 रनों से 50 ओवर में 9 विकेट पर 261 रन ही बना सकी। जहीरुल हसन क्लब के लिए चंदन चौधरी ने 48 पर 2, गौरव पुनिया ने 42 पर 2, प्रतीक चौधरी ने 1 विकेट लिया। कल स्टार क्लब बनाम ज्योति बा फूले क्लब के मध्य मैच खेला जाएगा।

राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद ने आईपीएल आयोजन के लिए 11 सदस्य समिति का किया गठन

जयपुर, 3 अप्रैल। जयपुर में इंडियन प्रीमियर लीग के मुकाबले को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। लंबे समय से चल रही आयोजन समिति को लेकर असमंजस की स्थिति अब समाप्त हो गई है। गुरुवार को राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद ने आयोजन के लिए समन्वय समिति की घोषणा कर दी। परिषद के सचिव राजेंद्र सिंह सिसोदिया को आयोजन समिति का संयोजक बनाया गया है, जबकि महावीर मीणा को सहसंयोजक नियुक्त किया गया है। कुल 11 सदस्यीय समिति के सदस्यों को आयोजन से जुड़ी अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। दरअसल, जयपुर में 13 अप्रैल से शुरू होने जा रहे आईपीएल के आयोजन को सफल बनाने के लिए अब प्रशासन पूरी तरह से सक्रिय हो गया है। सुरक्षा से लेकर टिकट वितरण तक हर पहलू पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद का मानना है कि इस बार जयपुर में होने वाले मुकाबलों को दर्शकों के लिए एक यादगार अनुभव बनाया जाएगा। इसके अलावा, सुरक्षा व्यवस्था, स्टेडियम प्रबंधन, अतिथि सत्कार, लॉजिस्टिक्स और अन्य व्यवस्थाओं के लिए भी समितियां गठित की गई हैं।

अनुभवी अधिकारियों को मिली जिम्मेदारी

आयोजन समिति में मुख्य खेल अधिकारी वीरेंद्र पूनिया और खेल प्रबंधन विशेषज्ञ रणविजय सिंह चंपावत को अहम भूमिकाएं दी गई हैं। रणविजय सिंह चंपावत को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और राजस्थान रॉयल्स प्रबंधन के साथ समन्वय स्थापित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मीडिया मैनेजमेंट की कमान मुख्य जनसंपर्क अधिकारी तेजराज सिंह को दी गई है। इसके साथ ही नरेंद्र भूरिया, कोमल चौधरी और अनिरुद्ध जगधारी को भी आयोजन से जुड़े विभिन्न कार्यों में शामिल किया गया है। जबकि सहायक अभियंता मनीष बाजिया, खेल अधिकारी करण सिंह, सहायक लेखा अधिकारी अनिल जैन, क्रिकेट प्रशिक्षक मनीष वर्मा और हैंडबॉल प्रशिक्षक अतुल शर्मा को आयोजन की विभिन्न व्यवस्थाओं का जिम्मा दिया गया है। सभी सदस्यों को उनके अनुभव और विशेषज्ञता के आधार पर जिम्मेदारियां दी गई हैं, ताकि आयोजन को सफलतापूर्वक पूरा किया जा सके।

कुल 11 समितियों का किया गया गठन

राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद ने आयोजन से जुड़े कार्यों को व्यवस्थित करने के लिए 11 अलग - अलग समितियों का गठन किया है। इन समितियों में संयोजक, सहसंयोजक और सदस्यों को शामिल किया गया है। पिच और ग्राउंड प्रबंधन समिति- कोमल चौधरी, मनीष वर्मा और साजिद खान को इसकी जिम्मेदारी दी गई है। जबकि मीडिया मैनेजमेंट समिति- जनसंपर्क अधिकारी तेजराज सिंह को संयोजक और एम. कलीम को सहसंयोजक नियुक्त किया गया है। इसी तरह टिकट व्यवस्था समिति - नरेंद्र भूरिया, तेजराज सिंह और राजेश शर्मा को टिकट वितरण और व्यवस्था संभालने की जिम्मेदारी दी गई है।

के.एम. रूंगटा चैलेंजर ट्रॉफी

मनन सिंह शेखावत का शतक

जयपुर, 3 अप्रैल। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित के एम रूंगटा चैलेंजर ट्रॉफी में जयपुरिया ग्राउंड पर खेले गए तीन दिवसीय मैच के दूसरे दिन डी एस जे टीम ने पहले दिन के स्कोर से आगे खेलते हुए मनन सिंह शेखावत के शतक 114 रन (217 गेंद, 17 चौके), हार्दिक कुक्कड़ 82 रन, राजवीर सिंह के 66 रन, तोषित भाटिया के 56 रन, हिमांशु राणा के 91 रन, कुणाल गौतम के नाबाद 36 रन से 129 ओवर में 7 विकेट पर 515 रन बनाए। एस के आई टी इलेवन के लिए निखिल कोहली ने 99 पर 4 विकेट लिए। संक्षिप्त स्कोर - एस के आई टी इलेवन - 48.5 ओवर 186 रन। डी एस जे इलेवन - 129 ओवर में 7 विकेट 515 रन। मनन सिंह शेखावत नाबाद 114 रन, हार्दिक कुक्कड़ 82 रन, कुणाल गौतम नाबाद 36 रन, हिमांशु राणा 91 रन। हर्षित शर्मा, आर्यन जैन व मोहित भगतानी ने 1 - 1 विकेट लिए। दूसरे मैच में के एल सैनी स्टेडियम पर आज से शुरू हुए मैच में आर एच सी एल एस एस टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए राहुल खण्डेलवाल के 92 रन, विवेक सैनी के 69 रन, रोहन राजभर के 47 रन, शुभम शर्मा के 78 रन, शुभम सिंह के 47 रन, मिहित अग्रवाल के नाबाद 17 रन, हर्ष यादव के 45 रनों से पहले दिन का खेल समाप्त होने तक 90 ओवर में 8 विकेट पर 453 रन बनाए। एम जे जे ग्रुप इलेवन के लिए प्रखर शर्मा ने 111 पर 2, अभिषेक यादव ने 82 पर 3, रोहन सिंह ने 62 पर 2 व आर्यमन कटारिया ने 13 पर एक विकेट लिया।

राजधानी

'संवैधानिक पद की मर्यादा का ध्यान रखें जूली, हवा में बात करने से हकीकत नहीं बदलती'

- **पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ की नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया**
- **राइजिंग राजस्थान में 35 लाख करोड़ के लगभग 11,000 एमओयू हुए**

जयपुर। विधानसभा में पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली द्वारा राइजिंग राजस्थान को लेकर दिये गये बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि तराजू हाथ में लेकर खुद बेकसूर बन बैठे पर इतिहास उठाकर देख लो, कितने कसूर कर बैठे। टीकाराम जूली, मैं स्वयं नेता प्रतिपक्ष रहा हूं और मैंने इस पद की गरिमा और जिम्मेदारी को बखूबी समझा है लेकिन कांग्रेस की तरह विधानसभा में सिर्फ हंगामा खड़ा करना मेरा मकसद कभी नहीं रहा। मैंने मेरे कार्यकाल के अंदर कभी भी सामाजिक सम्मान जैसे दादी शब्द को लेकर सदन में गतिरोध उत्पन्न करने जैसी घटना को अंजाम नहीं दिया था।

राठौड़ ने कहा कि ''राइजिंग राजस्थान'' को ''लाइजिंग राजस्थान'' बनाने के आपके आरोपों को मैंने पढ़ा। अच्छा रहता कि आप 35 लाख करोड़ के एमओयू में से किन-किन एमओयू में तथाकथित लाइजिंग हुई है उसका तर्कसंगत व सत्यता के साथ खुलासा करते। हवा में बातें उछालने से हकीकत नहीं बदलती। आप नेता प्रतिपक्ष जैसे संवैधानिक पद पर बैठे हैं, इस पद की मर्यादा का भी ध्यान रखें। आपने जमीन हथियाने का जो आरोप लगाया है तो आप यह खुलासा करें कि कितनी फर्जी कंपनियों ने जमीन हथिया ली? इसकी सूची जारी करें। महज आरोप लगाने से सच्चाई नहीं बदलती, हिम्मत है तो प्रमाण पेश करें।

राठौड़ ने कहा कि आप कहते हैं कि यह 35 लाख करोड़ का आंकड़ा कहां से आ गया। मैं बताना चाहता हूं कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में 35 लाख करोड़ के 10 हजार 500 से अधिक एमओयू भजनलाल सरकार की कड़ी मेहनत का परिणाम हैं। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 का आयोजन चार माह के अल्प समय में किया गया लेकिन फिर भी प्रयासों में किसी भी प्रकार की कोई कमी नही छोड़ी गई।

पोषण पखवाड़ें में पहले स्थान पर लाने के लिए कार्य किया जाए : दिया कुमारी

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने राज्य मंत्री महिला एवं बाल विकास डॉ. मंजू बाघमार तथा शासन सचिव महेन्द्र सोनी की उपस्थिति में गुरुवार को सचिवालय से वीसी के माध्यम से विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक ली।

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा है कि महिला एवं बाल विकास विभाग के अन्तर्गत निदेशालय समेकित बाल विकास सेवाएं आईसीडीएस के अधिकारियों को प्राकृतिक रूप से अवसर मिला हुआ है कि वे आंगनबाड़ियों के बच्चों की पोषण सेवा करके स्वस्थ राज्य और राष्ट्र का निर्माण करने में अपना योगदान दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि 8 से 22 अप्रैल तक आयोजित हो रहे राजष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा में राष्टीय स्तर पर राज्य के पिछले साल के चौथे स्थान के प्रदर्शन में सुधार कर, पहले स्थान पर लाने के लिए कार्य किया जाना चाहिए।

दिया कुमारी ने राज्य मंत्री महिला एवं बाल विकास डॉ. मंजू बाघमार तथा शासन सचिव महेन्द्र सोनी की उपस्थिति में गुरुवार को सचिवालय से वीसी के माध्यम से महिला एवं बाल विकास विभाग के समस्त उपनिदेशकों एवं बाल विकास परियोजना अधिकारियों के साथ विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक में उक्तानुसार आईसीडीएस अधिकारियों को आंगनबाड़ियों के बच्चों के लिए तत्परता और सेवाभाव से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि आदर्श आंगनबाड़ियों के निर्माण कार्य को गति प्रदान की जाए और साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देशन में चल रही प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में बेहतर प्रदर्शन कर राज्य को इस योजना में नम्बर एक राज्य बनाने का कार्य किया जाए।

लॉजिस्टिक्स हब बनने की ओर अग्रसर राजस्थान

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान दिवस महोत्सव में जारी की थी राजस्थान लॉजिस्टिक्स पॉलिसी-2025**

जयपुर। राजस्थान को वर्ष 2030 तक 350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने और निवेश अनुकूल औद्योगिक वातावरण सुनिश्चित करने के क्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान लॉजिस्टिक्स पॉलिसी-2025 जारी की है। यह नीति राज्य में औद्योगिक विकास को प्रोत्साहन देने और कनेक्टिविटी में वृद्धि करते हुए लॉजिस्टिक्स लागत में कमी लाएगी और राजस्थान को लॉजिस्टिक्स हब के रूप में स्थापित करेगी।

राजस्थान भारत का सबसे बड़ा राज्य है। राज्य की भौगोलिक स्थिति इस प्रकार की है कि यहां लगने वाले उद्योग लॉजिस्टिक्स एवं परिचालन लागत को कम रखते हुए निर्यात के साथ-साथ स्थानीय मांग को भी बखूबी पूरा कर सकते हैं। पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और गुजरात के साथ सीमा साझा करते हुए, हमारा राज्य देश के लगभग 40 प्रतिशत बाजार तक पहुंच रखता है। देश के राष्ट्रीय राजमार्गों का तीसरा सबसे बड़ा नेटवर्क और दूसरा सबसे बड़ा रेल नेटवर्क राजस्थान में ही है।

एकल पट्टा प्रकरण : पक्षकार बनाने के प्रार्थना पत्र पर बहस रही अधूरी

जयपुर। पूर्व मंत्री शांति धारीवाल से जुड़े एकल पट्टा प्रकरण में गुरुवार को राजस्थान हाईकोर्ट में सुनवाई अधूरी रही। अदालत मामले में 7 अप्रैल को सुनवाई करेगी। सीजे एमएम श्रीवास्तव की एकलपीठ ने यह आदेश राज्य सरकार और शांति धारीवाल सहित अन्य की ओर से दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए। सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करने वाले अशोक पाठक को प्रकरण में पक्षकार बनाने को लेकर एकलपीठ में गुरुवार को बहस हुई। अदालती समय पूरा होने के चलते बहस पूरी नहीं हुई। इस पर अदालत ने मामले की सुनवाई टाल दी। अशोक पाठक के मामले में पक्षकार बनने पर पूर्व मंत्री शांति धारीवाल व अन्य के अधिवक्ताओं की ओर से आपत्ति दर्ज कराई। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस.वी. राजू, एएजी शिवमंगल शर्मा व विशेष अधिवक्ता अनुराग शर्मा ने अदालत को बताया कि उनकी मामले के आरोपियों की ओर से दायर याचिकाओं पर आपत्ति है। राज्य सरकार 26 नवंबर, 2021 के ट्रायल कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली रिवीजन याचिका को अब आगे नहीं बढ़ाना चाहती है। इस आदेश में ट्रायल कोर्ट ने पूर्व आईएएस जीएस संधू, ओंकारमल सैनी और निष्काम दिवाकर के खिलाफ चल रहे मुकदमे को वापस लेने के संबंध में पेश राज्य सरकार के प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया था।

दस दिन में मिले डी.एन.ए. रिपोर्ट : हाईकोर्ट

12 साल से छोटे बच्चों से जुड़े अपराधों का मामला

जयपुर। हाईकोर्ट ने प्रदेश की विधि विज्ञान प्रयोगशालाओं में लंबित प्रकरणों पर चिंता जताई है। इसके साथ ही अदालत ने कहा कि सभी मिलकर यह प्रयास करें कि जहां तक संभव हो, किसी भी नमूने की रिपोर्ट एक साल से ज्यादा समय से लंबित ना रहे। इसके साथ ही अदालत ने कहा कि 12 साल से छोटे बच्चों से जुड़े अपराधों में डीएनए रिपोर्ट दस दिन में जारी की जाए। जबकि पॉक्सो से जुड़े अन्य मामलों में रिपोर्ट तीन माह के भीतर दी जाए। सीजे एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस आनंद शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश प्रकरण में स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि हम दुष्कर्म, अज्ञात शव और हत्या के मामले में भी नमूने जांचने के संबंध में समय सीमा तय करना चाहते हैं। अदालत संसाधनों के उन्नत होने और पदों के भरने से संतुष्ट होने के बाद इस संबंध में आदेश पारित करेगी। इसके साथ ही अदालत ने मामले की सुनवाई 2 जुलाई को तय करते हुए मामले में की जाने वाली कार्रवाई को लेकर रिपोर्ट पेश करने को कहा है।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता भरत व्यास ने अदालत को बताया कि नमूनों की जांच समय पर हो, इसके लिए अधिकारियों की ओर से एक्शन प्लान बनाए एक्शन प्लान का अदालत में पेश किया जाएगा। एएजी ने अदालत को कहा कि सहायक निदेशक और वरिष्ठ वैज्ञानिकों की अर्जेंट टेपरेरी आधार पर भर्ती के लिए वित्त विभाग ने सहमति दे दी है। इन पदों को भरने के बाद 43 और अधिकारी प्रयोगशालाओं को मिल जाएंगे। इसके अलावा दो सहायक निदेशकों की नियुक्ति कर उन्हें कोटा व भरतपुर प्रयोगशाला में नियुक्त किया गया है। एएजी ने अदालत को यह भी बताया कि भरतपुर में क्षेत्रीय प्रयोगशाला का निर्माण कार्य शुरू हो गया है और आगामी अक्टूबर

आई.पी.एस. कलाल के खिलाफ पद के दुरुपयोग को लेकर याचिका

जयपुर। आईपीएस हेमंत कलाल व श्याम नगर एसएचओ सहित अन्य पुलिस कर्मियों की ओर से बैंगलूरु निवासी शैक्षिणक इंस्टीट्यूट संचालक देवेन्द्र कलाल के फोन को अवैध तरीके से ट्रेकिंग कर जबरन अवैध हिरासत में रखने व मारपीट सहित पद के दुरुपयोग का मामला हाईकोर्ट पहुंच गया है। अदालत मामले में 15 अप्रैल को सुनवाई करेगी। मामले में आईपीएस हेमंत कलाल सहित प्रमुख गृह सचिव, डीजीपी, एसएचओ श्याम नगर सहित अन्य पुलिसकर्मियों को पक्षकार बनाया है। याचिका में कहा कि याचिकाकर्ता के खिलाफ दहेज प्रताडना को लेकर 2018 में कलाल की बहन ने उदयपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

जिलाध्यक्षों को पावर ही नहीं तो संगठन मजबूत कैसे होगा?

- **राजस्थान के जिला कांग्रेस अध्यक्षों ने किया खड़गे और राहुल गांधी से संवाद**
- **भीलवाड़ा जिला अध्यक्ष बोले, ''राहुल गांधी सड़कों पर मोहब्बत की दुकान खोल रहे हैं, कांग्रेस नेता घमंड में घूम रहे हैं''**

जयपुर। देशभर में पार्टी संगठन को मजबूती देने के लिए कांग्रेस आलाकमान देश भर के जिला कांग्रेस अध्यक्षों को बुलाकर सीधे संवाद कर रहा है और इसी कड़ी में गुरुवार को राजस्थान के जिला कांग्रेस अध्यक्षों को दिल्ली बुलाया गया था। जिनसे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने संवाद किया। इस दौरान राजस्थान के प्रभारी सुखजिंद्र सिंह रंधावा और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सहित राजस्थान के नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली भी मौजूद रहे।

संवाद के दौरान प्रमुख रूप से राजस्थान के दो जिला कांग्रेस अध्यक्षों भीलवाड़ा के अक्षय त्रिपाठी और सीकर की सुनीता गठाला को अपनी बात रखने का मौका दिया गया। इस दौरान भीलवाड़ा के जिला कांग्रेस अध्यक्ष त्रिपाठी ने कहा कि राहुल गांधी तो पूरे देश में पैदल घूम कर मोहब्बत की दुकान खोल रहे हैं और हर व्यक्ति तक पहुंचकर उनकी बात सुनने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन दूसरी और कांग्रेस के नेता घमंड से भरे हुए हैं और आम कार्यकर्ता की तो छोड़े ,संगठन के लोगों को भी तवज्जो नहीं देते हैं। इस दौरान अक्षय त्रिपाठी ने भगवान गणेश और कार्तिकेय की कहानी सुनाते हुए कहा कि जो लोग नेताओं के यहां चक्कर लगाते हैं और चमचागिरी करते हैं, उन्हें सब कुछ हासिल हो जाता है, लेकिन जो जमीन पर काम करता है, वह हमेशा पीछे धकेल दिया जाता है या लाइन से बाहर किया जाता है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी जिला कांग्रेस अध्यक्षों की इन बातों का समर्थन करते हुए कहा कि जल्द ही पार्टी में आमूलचूल परिवर्तन करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्षों को अधिक पावर देकर संगठन को मजबूत करने का काम किया जाएगा।